उत्तम रोग निदान से ही सस्ता एवं बेहतर उपचार संभव – डॉ. जुयाल

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में व्याधि विज्ञान द्वारा आयोजित पांच दिवसीय एस्काड ट्रेंनिग का समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु पशु की बीमारी में खर्च होने वाली राशि में कमी का होना भी अनिवार्य है। यदि बीमारी का प्राथमिक अवस्था में ही निदान हो जाये तो पशु का सस्ता एवं बेहतर उपचार

संभव है जिससे दुग्ध उत्पादन में भी कमी नहीं होगी। वर्तमान में रोग निदान हेतु आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं जिनसे हम बीमारी का सही निदान कर सकते हैं। अत: हमें अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करना है इस हेतु यह प्रशिक्षण बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने एंटीबायटिक के दुरूपयोग की चर्चा करते हुये कहा कि हम बिना आवश्यकता के हर बीमारियों में इसका उपयोग करके एंटीबायटिक रजिस्टेंस पैदा कर रहे हैं जिससे ये दवाइयों बेअसर होती जा रही हैं। भविष्य में ऐसा समय आ सकता है कि अनेक बैक्टिरिया जनक बीमारियों का इलाज संभव ही नहीं हो सकेगा। अब समय आ गया है कि डिसीज फ्री जोन बनाये जायें।

दिवस 23 जुलाई से 27 जुलाई तक यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ''लेटेस्ट ट्रेन्ड इन डायगनोसिस ऑफ एनीमल डिसीजेज विथ स्पेशल रिफेन्स टू निओप्लास्टिक कंडीशन'' विषय पर था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में म. प्र. पशुपालन तिभाग के 12 जिला स्तरीय पशुचिकित्सकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान पशुचिकित्सकों को रोग निदान की सामान्य एवं नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई। पशुओं विशेषकर श्वानों में कैंसर की जॉंच, मेटल एवं माइक्रोटाक्सिसिटी का बढ़ता प्रकोप एवं उसकी जॉंच के सरल उपायों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम की संचालिका डॉ. मधु स्वामी ने 5 दिनों में होने वाले प्रशिक्षण की महत्ता बतलाई। इस समारोह में डॉ. एस. एन. एस. परमार, डॉ. आर. पी. एस. बघेल, डॉ. वाय. पी. साहनी, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. जी. पी. पांडे, डॉ. ओ. पी. श्रीवास्तव, डॉ. एन. के. जैन, डॉ. एस. के. जोशी सहित समस्त प्राध्यापकों एवं छात्राओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

इन्होनें पाया प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र- पशु पालन विभाग के डॉ. नितेश जैन, डॉ. देवेन्द्र कोर मदान, डॉ. नीरज कुमुद, डॉ. संजीव गौतम, डॉ. अमित कुमार दोहरे, डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सरोज मरकाम, डॉ. स्मुति मिश्रा एवं डॉ. संतोष डेहरिया ने प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र प्राप्त किये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता दुबे एवं आभार प्रदर्शन डॉ. यामिनी वर्मा ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.